नाम: बीनू सैनी | पिता का नाम: प्रभुलाल सैनी | ग्राम: खवा का टापरा

माता का नाम: श्रीमती चमी देवी | जन्म तिथि:

वार्षिक प्रगति पत्र 2004-2005 उदय माध्यमिक विद्यालय [illegible]	उपस्थिति 104 अनुपस्थिति 15 कार्यदिवस 119 उम्र - 07 वर्ष	शिक्षक बीनू शर्मा अभिभावक

भाषा

पुस्तक को ठीक से पढ़कर समझ लेता है। लघु व दीर्घ मात्राओं की समझ है। पत्र और प्रार्थना पत्र लिखना सीख गया है। 8-10 पंक्ति की शुद्धलेख भी कर लेता है। चित्रों को देखकर कहानी में और कहानी को चित्रों में व्यक्त कर लेता है। किसी विषय वस्तु पर 10-15 वाक्य बोल लेता है। सामान्य व्याकरण में विराम चिन्ह (। ?) संज्ञा सर्वनाम, क्रिया, प्रत्यय उपसर्ग की समझ है। 10-15 एकल शब्द और 2-3 विलोम शब्दों की समझ है। कहानी से प्रश्न बनाकर हल कर लेता है।

गणित

हजार व दस हजार तक की संख्याओं में से छोटी बड़ी, आरोही, अवरोही, विस्तारित रूप इकाई, दहाई, सैकड़ा हजार दस हजार, जोड़ घटाव, गुणा भाग सही कर लेता है। 4-5 अंकों की सबसे बड़ी और सबसे छोटी संख्या बता देता है। भिन्नों में $\frac{1}{2}$ व $\frac{1}{4}$ की समझ है। संख्या में अंश व हर सही बता देता है। कलैण्डर देख लेता है। घंटा मिनट सैकिण्ड को जानता है। घड़ी देखकर

समय बता देता है। घंटों और मिनटों के जोड़ घटाव कर लेता है। रुपये पैसों को एक दूसरे में बदलकर जोड़, घटा गुणा भाग सही कर लेता है। किलो मीटर, किलो लिटर किलो ग्राम, की मापन इकाइयों से परिचित है। इनको छोटी इकाइयों में भी बदल लेता है। औसत को समझता है। 4-5 संख्याओं का औसत निकाल लेता है। मीटर, से.मी. में चीजों की लम्बाई नाप लेता है। रेखा, रेखा खण्ड, कोण बिन्दु, घन, घनाभ की समझ है। स्केल, पैंसिल, प्रकार की सहायता से त्रिभुज, वर्ग, आयत, वृत बना लेता है।

पर्यावरण

परिवेश में उपलब्ध सामग्री परिस्थितियों एवं घटनाओं के प्रति कुतूहल का विकास। जानकारी के संकलन उसको व्यवस्थित करने एवं अंकन करने संबंधी क्षमताओं का विकास तथ्यों एवं जानकारी में आपसी संबंध देख पाने की क्षमता का विकास। आधारभूत अवधारणाओं सीखने की क्षमताओं व तार्किक चिंतन का विकास। प्रश्न उठाने की क्षमता व उनके उत्तर देने के लिये परिकल्पनाओं के प्रतिपादन की क्षमता का विकास। परिकल्पनाओं की जांच के तरीके सोचपाने एवं उन तरीकों को काम में लेने के लिये आवश्यक क्षमताओं व दक्षताओं का विकास। निष्कर्ष निकालने की क्षमता एवं समालोचनात्मक चिंतन का विकास। निष्कर्षों के व्यवहारिक परिणामों को समझपाने की क्षमता का विकास। सामाजिक सांस्कृतिक परिस्थितियों की समालोचनात्मक क्षमता का विकास। इतिहास बोध संबंधी क्षमताओं का विकास भौगोलिक परिस्थितियों एवं उनके मानव पर प्रभावों की समझ। उपरोक्त क्षमताओं का क्रमिक विकास हुआ है। बीनू दैनिक जीवन में इसका उपयोग भी करने लगा है।

अंग्रेजी

अंग्रेजी मे 111 तक की संख्याओ को पहचानकर बता देता है। क्रम से बोल लेता है। प्रमुख फल, सब्जी, जानवर पक्षी और उपयोगी वस्तुओं के 150 से भी अधिक शब्दो की पहचान है। 8-1 Rhymes याद है। मौखिक निर्देश (उठना, बैठना आना, जाना, छूना, लाना, उठाना) को समझता है। This That These, Those, He She, it को समझकर वाक्यों मे प्रयोग कर-लेता है। क्रिया मे climbing, Touching, bathing, eating dancing, walking playing, doing, reading writing Flying dancing, Jumping, Sleeping lafing का Now, He, She, Look what के साथ वाक्यों मे प्रयोग कर लेता है। अपना व अपने परिवार के सभी सदस्यों के नाम, गांव का नाम, अपनी उम्र बता देता है। सप्ताह और महिनों के नाम भी याद है।

कला/खेल

कला और खेलों को बहुत पसन्द करता है। फुर्ती और ताकत वाले खेल अधिक पसन्द है संघर्ष करने की क्षमता भी कुछ बढी है। कापर मे सिखाई गई चीजों को बहुत जल्दी समझकर सबसे पहले बनाता है। नाटक करना और नाचना अच्छा लगता है। खेलो मे क्रिकेट का बड़ा शौकीन है।

वार्षिक प्रगति पत्र 2005-2006

ग्रामीण शिक्षा केन्द्र सवाई माधोपुर

उदय सामुदायिक पाठशाला जगनपुरा

छात्र का नाम - बीनू सैनी समूह - बगीचा

पिता का नाम - प्रभुलाल सैनी शिक्षक - विष्णु राजेश सैनी

माता का नाम - श्रीमती चैना देवी

कुल कार्य दिवस - 217

कुल उपस्थिति - 184

(भाषा) - हिन्दी

* गत वर्ष प्रत्यय व उपसर्ग पर कार्य कर चुके थे। पुस्तक पढ़ लेते थे। विलोम शब्द, पत्र लेखन व सामान्य व्याकरण की जानकारी थी।
* इस वर्ष में पुस्तक पठन में कक्षा 5 के स्तर की कहानी पढ़ लेता है। पढ़कर कठिन शब्दो के अर्थ जान लेता है।
* मुहावरे व लोकोक्तियो की समझ है और पुस्तक के कुछ खास खास मुहावरे और लोकोक्तियो को समझकर वाक्यो में प्रयोग भी कर लेते है।
* कविता के अर्थ और भावों को समझ लेते है।
* व्याकरण में संज्ञा सर्वनाम क्रिया विशेषण कर्ता व विलोम की पुख्ता समझ है।
* संयोजक चिन्ह की समझ है।
* पर्यायवाची का गतलब समझता है और ज्यादा प्रचलित शब्दो के पर्यायवाची याद भी है।
* पत्र, प्रार्थना पत्र ठीक से लिख लेता है।
* दी गई विषय वस्तु पर 150 शब्दो में अपने विचार लिख व्यक्त कर लेते है।
* शब्द कोष देख लेते है।

गणित

* गत वर्ष तक 10 हजार तक संख्या पहचान थी और जोड़ घटा गुणा भाग आरोही अवरोही विस्तारित रूप व औसत कर लेता था।
* इस वर्ष में 3-4 राशियों के औसत निकालना औसत निकालना व औसत संबन्धी सरल समस्या के सवाल हल कर लेता है।
* गिन्नो में समतुल्य गिन्नी बनाना उचित व अनुचित व अनुचित गिन्नी को मिश्रा में बदल लेता है गिन्नो के जोड़ घटा तुल्य गिन्नी से कर लेता है।

* 2 संख्या वाले सवाल कर लेता है।
* 50 तक रोमन संख्या की समझ है।
* 10 करोड़ तक की संख्या में आरोही अवरोही स्थानियमान विस्तारित रूप सेपड़ा-से छोटा 4-5 संख्या के जोड़ व चारो मूलभूत संक्रियाए आसानी से हल कर लेता है।

* मापन इकाइयो में व मुद्रा संबन्धी मूलभूत चारो संक्रियाओ का उपयोग कर लेता है। (kg, MCM मिली लि० रु पैसे)
* ज्यामितिय रूपों में नापकर देख खण्ड बनाना समकोण, न्यूनकोण अधिक कोण, आयत, वर्ग त्रिभुज वृत्त पैमाना पुठार व चांदे से बना लेता है।
* परिमाप और क्षेत्र फल को समझ गया है। आयत व वर्ग का परिमाप व क्षेत्रफल ज्ञात कर लेता है।

* सम विषम की समझ है। गुणज उपगुणज को जानता है 2, 3, 5, 7, 11 के गुणजता के नियम जानता है।

* गुणनखण्ड समझ है। लघुत्तम समापवर्त्य और महत्तम समापवर्त्य की समझ है। लघुतम की सहायता से गिन्नो के जोड़ घटा कर लेता है।

पर्यावरण

* गत वर्ष पर्यावरण के कक्षा 3 के स्तर तक की सभी सामान्य जानकारी व समझ के कार्य करते हुए छात्रों का क्रमिक समानीकरण विशेषज्ञ की अगुवाई पर कार्य कर लेना था। इसी कार्य को शुद्ध और गहराई से करने के लिये निम्न बिन्दुओं पर कार्य किया।

* जीव-जन्तु, पेड़पौधे व्यक्तिगत व आस-पास की सफाई
* रहन सहन, खान-पान, तीज त्यौहार, रीति-रिवाज, पहनावा आदि
* गांव की कहानी
* यातायात के साधन
* स्थाई प्रेरणा
* फसलें और सिंचाई के साधन
* मानव अंगों के नाम और कार्य
* पदार्थ के प्रकार और गुण
* वायु और उसका उपयोग
* पानी एवं मिट्टी का उपयोग
* गांव का नक्शा बनाना व समझना
* गांव के पहाड़ नदी नाले जोहड़ व व्यवसाय
* कहानी में महाराणा प्रताप, मीरा, एकलव्य, अशोक, अकबर, पृथ्वीराज, मोहम्मद गौरी व पहिये की कहानी सुनी व समझी
* वायु, जल, मिट्टी के प्रयोग
* पदार्थों का रूप बदलना, ऊष्मा के प्रयोग, मिट्टी की खोज व गुणों को जानना, छलनी के प्रयोग
* ग्राम पंचायत के चुनाव और कार्य
* पंचायत स्वरूप सदस्यगण (स्कूल, पोस्ट ऑफिस, दवाखाना) पंचायत समिति, जिला प्रशासन
* वस्तु विनिमय
* श्वसन तंत्र, पाचन तंत्र व जल को जानते हुए उसके प्रकार व कार्यों को जाना

वार्षिक प्रगति पत्र
सत्र 2006-2007

उदय सामुदायिक पाठशाला
जगनपुरा, रावल स. मा.

नाम (छात्र/छात्रा) श्री बीनु सैनी
माता का नाम श्रीमती चैना देवी
पिता का नाम श्री प्रफुल्ल सैनी
समूह का नाम बगीचा
हस्ताक्षर (शिक्षक)

प्रवेशांक 64
कार्य दिवस 218
उपस्थिति 198
प्रतिशत उप. 90.02
जन्म तिथि 14.7.1996
हस्ताक्षर (अभिभावक)

गणित

गुणनखण्ड कर लेता है। महत्तम समापवर्त्य कर लेता है। लघुत्तम समापवर्त्य की मदद से भिन्नो के जोड़ घटाव कर लेता है। भिन्नो के गुणा भाग कर लेता है। दशमलव पर आधारित जोड़ घटाव गुणा भाग कर लेता है। लाभ हानी ब्याज कर लेता है। एकिक नियम के सवाल कर लेता है। धनात्मक और ऋणात्मक संख्याओं के जोड़ घटा कर लेता है। घातांक, वर्गमूल के, घनमूल के अभ्यास कर लेता है।

हिन्दी

भाषा शिक्षण में मौखिक अभिव्यक्ति, शुद्ध उच्चारण, शुद्ध लेखन, शुद्ध वर्तनी पर कार्य करवाया व्याकरणिक ज्ञान में उपसर्ग, प्रत्यय के योग से शब्द रचना, पदों का ज्ञान, काल, वाच्य रचना, पर्यायवाची एवं विलोम शब्दों, विराम चिन्हों की पहचान पर कार्य करवाया। इसमें लगातार सुधार होता जा रहा है।

सामाजिक ज्ञान व विज्ञान

इसमें पर्यावरण अध्ययन की क्षमताओ को (अवलोकन, वर्गीकरण, समानीकरण, विश्लेषण) विकसित करने हेतु निम्न विषय वस्तुओ की समझ पर कार्य करवाया गया। चुम्बक नकशा (जिला, राज्य, राष्ट्र, विश्व) जाना। जिसमें प्राकृतिक क्षेत्र जलवायु, वनस्पति, व्यवसाय को जाना। शासन में ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला प्रशासन को जाना। संघिय शासन में कार्यपालिका, न्यायपालिका व्यवस्थापिका को जाना। प्राथमिक उपचार में बिमारी और उसकी रोकथाम के उपाय जाने। जल और वायु को प्रयोग कर जाना। कहानी में मानव के विकास की कहानी, आजादी की कहानी पढ़ी व समझी। भूगोल में पृथ्वी का आकार, गतियां, प्रकाश का गमन, इन्द्रधनुष, गुरुत्वाकर्षण, महाद्वीप, महासागर अक्षांश, देशान्तर, ध्रुव, चन्द्रग्रहण, सूर्यग्रहण, चन्द्र-कलाए, भूकम्प, ज्वालामुखी को जाना। पैसे की कहानी, पेड़ पौधो व जीवो मे प्रजनन, हमारा शरीर, कंकाल, पेशिय संस्थान आदी पर चर्चा की और इनकी समझ बनाई।

अंग्रेजी

कक्षा 5 के स्तर की कहानियां कविताए देखकर पढ लेता है। दिए गए शब्दो से वाक्य बनालेता है। प्रश्न उत्तर स्वयं कर लेता है। वचन, लिंग विलोम शब्दों (स्तरानुसार) को समझते हैं। सुनकर थोड़ा-थोड़ा लिख लेता है। दैनिक उपयोग के शब्द और वाक्यों को समझ लेता है। सरल विषय वस्तु पर 4-5 वाक्य अपने मन से बना लेता है।

अपना काम

व्यक्तिगत और सामुहिक कार्यो मे भाग लेता है। सलाह और निर्देशों का पालन करता है। कार्य की शुरुआत वाला जोश कम पड़जाता है। पौधों को नहीं बचा पाया।

कला

(i) चित्रकला

रेखिक और द्वी-आयामी चित्रो को बना लेता है। हल्के और गहरे रंगो का प्रयोग करता रंगो के प्रयोग में हाथ सधा है। सभी प्रकार के रंगो का प्रयोग कर लेता है।

(ii) मोट्टी

मिट्टी को स्वयं तैयार कर लेता है। पहिया घुमा लेता है। चाक पर मिट्टी नही साध पाता। सधाने पर दीपक बना लेता, खिलौने हाथ से बनालेता है।

(iii) कारपेन्ट्री

औजारों के नाम और उनके उपयोग को जानता है। लकड़ी को मनचाहा आकार देने का प्रयास करता है।

(iv) खेल

क्रिकेट और फुटबाल खौ-खौ सभी खेलो को रुचि के साथ खेलता है। खेल मे योजना के साथ नेतृत्व करता है। सभी खेलों के नियम जानता है। शरीर स्वस्थ रहता है।

ग्रामीण शिक्षा केन्द्र सवाई माधोपुर

उदय सामुदायिक पाठशाला जगनपुरा

वार्षिक प्रगति पत्र - 2007-08

(1 जुलाई से 5 मई तक)

छात्र का नाम :- बीनू सैनी

पिता का नाम :- प्रभु दयाल सैनी

माता का नाम :- चैनी देवी

शिक्षक का नाम :- दुर्गाप्रसाद

S.R. No. = 64

जन्म तिथि = 14-07-1996

कुल कार्य दिवस = 214

उपस्थिति :- 201

% उपस्थिति :- 93.92%

शिक्षक के हस्ताक्षर

अभिभावक के हस्ताक्षर

नि. प्रभुदयाल सैनी

-: गणित :-

* जुलाई मे पूर्णांक के घात पर था। (कक्षा 6 के स्तर पर)
* पूर्णांक के घातांक, कशिव धनमूल अभाज्य गुणनखण्ड विधी से कर लेता है।
* म.स.प भाग विधि से ल.स.प. संयुक्त विधि से कर लेता है। ल.स. व म.स. के सम्बंध की समझ है इबारती सवाल कर लेता है।
* औसत में उन्नत स्तर के प्रश्न कर लेता है एक व्यक्ति के निकलने के स्थान पर दूसरा आने पर आई औसत की कमी। वृद्धी होने पर उस व्यक्ति का वजन आदि ज्ञात कर लेता है।
* प्रतिशतता के सभी सवाल कर लेता है %, व भिन्न की अदला बदली कर लेता है।
* लाभ, हानि में क्र.मु., वि.मु. लाभ %, हानि % से किसी भी एक इकाई को निकाल लेता है।

* सरल ब्याज निकाल लेता है सरल ब्याज देने पर दर अथवा मूलधन अथवा समय ज्ञात कर लेता है।

* बीजगणित की अवधारणात्मक समझ है बीजीय व्यंजक के + − × ÷ के सवाल हल कर लेता है।

* समीकरण (इबारत) को बीजीय व्यंजक के रूप में लिख कर हल कर लेता है।

* रेखा व कोण, समान्तर व प्रतिच्छेदी रेखाओं की समझ है इनके द्वारा बने बाह्य व अन्तः कोण, एकान्तर कोण, शीर्षाभिमुख कोण, संगत कोण की समझ है तथा आपसी सम्बंध की समझ भी है

* त्रिभुज व उसके प्रकार, कोण अथवा भुजा देने पर त्रिभुज की रचना कर लेता है।

-: ~~विज्ञान~~ :- खेल

* खो-खो व फुटबॉल को अधिक रुचि लेकर खेलता है।

* अन्य खेल लंगड़ी, आइना, छिपकर खेलने आदि खेलता है।

* खेल के नियमों को जानता है तथा सही तरीके से खेल लेता है।

-: व्यवहार व अभिरुचि :-

* भावुक प्रवृत्ति का है।

* कार्यों के प्रति सामान्यतः जिम्मेदारी दिखाता है।

* सामान्यतः जल्दबाजी करता है।

विज्ञान

* कक्षा 6 NCERT व SCERT से निम्न को समझते हैं।

कक्षा 6 - SCERT

- गति
- बल
- ऊर्जा
- ऊर्जा के विभिन्न रूप
- भोजन का पाचन व तंत्र
- श्वसन तंत्र
- सौर परिवार, चन्द्र ग्रहण, सूर्यग्रहण
- प्रकाश व छाया
- सूक्ष्म जीव व रोग
- कृषि की नवीनतम प्रौद्योगिकी व मानव निर्मित सामग्री तथा जैविक व अजैविक घटक को समझते हैं।

कक्षा 7 NCERT से -

- भोजन व उसके घटक
- तंतु व वस्त्र व वस्तुओं के समूह बनाना
- पदार्थों का पृथक्करण
- हमारे चारों ओर के परिवर्तन
- पौधों व उनके अंग - शाक, झाड़ी, वृक्ष को समझते हैं।
- शरीर में गति, सजीव व उनका परिवेश
- गति व दूरियों का मापन
- प्रकाश छायांस व परावर्तन
- विद्युत व परिपथ
- चुम्बक, जल, वायु, कचरा संग्रहण व निपटान को समझते हैं।

* कक्षा 7 NCERT की पुस्तक से निम्न को समझा

- पादपों व प्राणियों में पोषण
- रेशे से वस्त्र तक
- ऊष्मा,
- अम्ल, क्षारक व लवण
- भौतिक व रासायनिक परिवर्तन
- मौसम, जलवायु तथा अनुकूलन
- पवन, तूफान व चक्रवात
- मृदा की समझ है। स्वयं पढ़कर समझकर अभ्यास प्रश्नों को हल कर लेता है।

अंग्रेजी (English)

कक्षा 5 की अंग्रेजी की पुस्तक से निम्न Paragraph को पढ़कर समझ लेते हैं।

* A Zoo
* Neha and the Monkey
* Kamini and Sam
* Spending A Holidays
* Going to a party
* A class Tournament
* Govind's Routine को समझ लेता है

Before, After, At, on, in, May, Can Simple future Tense, an, a, the के प्रयोग की समझ है।

* कक्षा 6 की SCERT की पुस्तक से पढ़कर समझ लेता है
* कक्षा 6 की स्तर की Story, Paragraph को पढ़कर समझ लेता है कठिन शब्द छांट लेता है
* कहानी से question, Answere कर लेता है।
* Sigular, Plural Number की समझ है
* has, have, is, am, are, was, were, can, Verbs की form व उनके प्रयोग की समझ है।
* story, Paragraph writing, Composition, Application writing कर लेता है।
* but, because, by, behind, in front of की समझ है
* Present Continious Tense की समझ है।
* Can, May, should के प्रयोग कर लेता है।
* Sentences को Negative व Interogative Sentences में बदल लेता है।
* as--as तथा not so---- as के प्रयोग की समझ है।
* opposite and Zender की समझ है।
* Letter की समझ है और अंग्रेजी मे Letter लिख लेता है।
* वाक्यों की समझ है।
* NBT, CBT की कहानियों को भी पढ़ लेता है।

हिन्दी

* कक्षा 6 SCERT व NCERT की कहानियों व गद्यों को पढ़कर समझ लेता है।
* कक्षा 7 की NCERT की पुस्तक को पढ़कर समझ लेता है अभ्यास प्रश्न हल कर लेता है।
* कक्षा 7 SCERT की पुस्तक के प्रश्नों, छोटी-दुविधा, बड़ी अदुबि 'पराधीन सपने हूँ सुख नाही, वनश्री, सबके चेहरे खिल उठे, मौलाना अबुल कलाम आजाद, पञ्चधर, हमारी भी सुनो, गिरधर की कुण्डलियां, खेमा, याज्ञवल्क्य व मैत्रेयी को पढ़कर समझ लेता
* तत्सम, तद्भव शब्द कक्षा 7 के स्तर तक की समझ है।
* एकल शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, वचन, क्रिया, विशेषण, समानार्थी शब्द, संधि, संज्ञा (भाववाचक सहित), विलोम शब्द पर्यायवाची शब्द, वर्तनी की दृष्टी से शब्दों को ठीक करने के कार्य कर लेता है।
* संयुक्त शब्दों को खोलकर लिख लेता है।
* समास युक्त वाक्यों में समास की प्रारंभिक समझ है।
* मुहावरे व लोकोक्ति की समझ है।
* योजक चिह्न की समझ है।
* पत्र व प्रार्थना पत्र की समझ है।
* किसी विषय वस्तु में 250 - 300 शब्दों में अपने विचार लिख लेते है।

— कहानी व कविता के अर्थ व भावों को समझ लेता है कविता में मन से नई पंक्तियां जोड़ देता है।

-: सामाजिक ज्ञान :-

-: भूगोल :-

* पृथ्वी के परिमण्डल (कक्षा 6 SCERT ~~के~~ तथा NCERT)
* भूपटल संरचना व परिवर्तनकारी शक्तियां (कक्षा 6 SCERT)
* ग्लोब व मानचित्र ,,
* हमारा राजस्थान ,,
* प्रगतिशील राजस्थान ,,
* राजस्थान के परिवहन के साधन ,,
* हमारी पृथ्वी और सौरमण्डल (कक्षा 6 NCERT)
* ग्लोब और मानचित्र ~~किस प्रकार~~ ,,
* पृथ्वी पर स्थानों की स्थिति दिखाना ,,
* दिन-रात व ऋतुएं ,,
* भारत - हमारा देश ,,
* हमारी जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव ,,
* पर्यावरण के घटक, पृथ्वी का बदलता स्वरूप-प्रक्रिया (कक्षा 7 NCERT)

की समझ है सम्बंधित प्रश्नोत्तर कर लेता है।

इतिहास

* आइए अतीत को जानें/आदिम मानव (कक्षा 6 SCERT ~~के~~ NCERT)
* आर्य सभ्यता एवं संस्कृति, नगर जीवन का आरम्भ ,, ,,
* हमारी प्राचीन जनपद व्यवस्था ,,
* प्राचीन भारत का गौरवशाली इतिहास ,,
* भारतीय संस्कृति और विश्व ,,
* वैदिक युग का जीवन (कक्षा 6 NCERT)
* भारत - (600 ई.पू. - 400 ई.पू.) ,,
* मौर्य साम्राज्य ,,

* भारत : (200 ई.पू. – 300 ई. तक) (कक्षा 6 NCERT)
* गुप्त काल ,,
* छोटे-छोटे राज्यों का युग ,,
* भारत और संसार ,,

की ~~[illegible]~~ समझ है।

-: राजनितिक विज्ञान :-

* पंचायती राज (स्वशासन ग्रामीण) (कक्षा 6 SCERT)
* नगरीय स्वशासन ,,
* जिला प्रशासन ,,
* हमारे जिले की न्याय व्यवस्था ,,

समाजशास्त्र व अर्थशास्त्र

* हमारा परिवेश (कक्षा 6 SCERT)
* ग्रामीण जीवन एवं शहरीकरण ,,
* विकास के आधार (सहकारिता एवं सामुदायिकता) ,,
* उपभोक्ता जागृति ,,
* समुदाय की आवश्यकताएं (कक्षा 6 NCERT)
* ग्रामवासियों की आवश्यकताओं की पूर्ती ,,
* नगरों की आवश्यकता की पूर्ती ,,
* सार्वजनिक सम्पति की देख रेख ,,

-: संस्कृत :-

* अकारान्त पुल्लिंग/नपुंसकलिंग शब्दों की समझ है।
* आकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों की समझ है।

* सर्वनाम शब्द (अस्मद, युष्मद, अहं, आवां, वयं, त्वं, युवां, यूयं) शब्दों का प्रयोग कर लेता है।

* सः, तौ, ते (पुल्लिंग) सा, ते, ताः (स्त्रीलिंग), तत्, ते तानि (नपुंसकलिंग) का प्रयोग कर लेता है

* इदम्, इयं के प्रयोग की समझ है।

* मानव शरीरस्य अंगानि (कक्षा 6 SCERT)

* उपवनम् "

* संख्यावाचक शब्दा "

को पढ़कर समझ लेता है।

-: कला :-

* मन से व देखकर चित्र बना लेता है मनचाहा रंग भर लेता है साफ व स्पष्ट रंग भर लेता है।
* अखबार के चित्र व अन्य चीजों से कॉलाज बना देता है।
* लकड़ी से छोटी-छोटी चीजें बना लेता है।
* चाक पर छोटे-2 मटकी, दीपक आदि बना लेता है मिट्टी के खिलौने बना लेता है।
* कागज से विभिन्न मॉडल बना लेता है।
* गान, नृत्य, ढोलक बजाने में रुचि लेता है।

-: अपना काम :-

* साफ-सफाई समूह की में भाग लेता है।
* स्कूल परिसर में पत्थरों को व्यवस्थित रखने, पेड़पौधों की देखभाल में रुचि लेता है।